<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

इरेडा के सीएमडी ने भारत की नवीकरणीय ऊर्जा गति को बनाए रखने के लिए सामुदायिक-आधारित स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2025

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज ताज पैलेस, नई दिल्ली में आयोजित "सस्टेनेबल इज़ अटेनेबल फेस्ट 2025" के दौरान "नीति से शक्ति तक: विकेंद्रीकरण कैसे लोगों के हाथों में बदलाव ला रहा है" के सत्र में एक पैनलिस्ट के रूप में सहभागी किया ।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा की प्रगति के बारे में प्रकाश डालते हुए, श्री दास ने बताया कि सितंबर 2025 के अनुसार भारत की नवीकरणीय क्षमता 247 गीगावाट तक पहुँच गई है, जिसमें वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में लगभग 27 गीगावाट की वृद्धि हुई है, जबकि वित्त वर्ष 25 में यह वृद्धि 29.6 गीगावाट थी—जोकि विकास की एक रिकॉर्ड गति है। आगे उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक 485 गीगावाट के लक्ष्य को पूरा करने के लिए, वार्षिक वृद्धि को बढ़ाकर 50-60 गीगावाट करना होगा।

श्री दास ने इस बात पर ज़ोर दिया कि नवीकरणीय ऊर्जा—सौर, पवन, जल और जैव ऊर्जा—केवल ऊर्जा स्रोत ही नहीं हैं, बल्कि सतता के समाधान भी हैं। स्वच्छ ऊर्जा की प्रत्येक इकाई लगभग 750 ग्राम कार्बन के उत्सर्जन से बचती है, जिससे पीढ़ियों तक हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहता है।

इरेडा की भूमिका पर संदेश देते हुए, उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा का भविष्य ना केवल बड़े सौर पार्कों में है, बल्कि किसानों, सहकारी समितियों, एमएसएमई और आवास समितियों के स्वामित्व वाली लाखों विकेन्द्रीकृत प्रणालियों में भी है - नागरिक जो ऊर्जा के उत्पादक और उपभोक्ता, या 'प्रोस्यूमर्स' दोनों हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि इरेडा के खुदरा व्यापार अनुभाग द्वारा पीएम-कुसुम और रूफटॉप सोलर के अंतर्गत विकेन्द्रीकृत परियोजनाओं के वित्तपोषण के माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया है कि जमीनी स्तर पर हरित ऋण व्यवहार्य और प्रभावशाली है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत का वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र—जिसमें सहकारी, ग्रामीण और वाणिज्यिक बैंक शामिल हैं—अब परिपक्व हो गया है, और मुख्यधारा के संस्थान नवीकरणीय और खुदरा स्वच्छ ऊर्जा वित्तपोषण में सहभागी के लिए अधिक अधिक आश्वस्त हो रहे हैं।

इरेडा के नेतृत्व की पुष्टि करते हुए, श्री दास ने निष्कर्ष के रूप में कहा कि, "38 वर्षों के अनुभव, मजबूत सुशासन और जिम्मेदार विकास के रिकॉर्ड सहित , इरेडा द्वारा भारत के ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करना जारी रखा गया है– और बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर समुदाय-संचालित, सतत ऊर्जा समाधानों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने तक नेतृत्व किया जा रहा है।